नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

समयबद्ध सेवा ही सुशासन की वास्तविक पहचान

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लोक सेवा गारंटी अधिनियम में किया गया नया संशोधन प्रशासनिक जवाबदेही को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. अब यदि किसी सेवा का निर्धारित समय सीमा में निराकरण नहीं होता है, तो नागरिक के अपील करने का इंतजार नहीं किया जाएगा. समय सीमा समाप्त होने के 16 वें दिन प्रथम अपील अधिकारी स्वतः संज्ञान लेकर प्रकरण की समीक्षा करेंगे और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित अधिकारी पर 500 रुपये से लेकर 5,000 रुपये तक की पेनल्टी भी लगाई जा सकेगी. यह व्यवस्था प्रशासन में जवाबदेही और पारदर्शिता दोनों को नई मजबूती प्रदान करेगी.

लोक सेवा गारंटी अधिनियम का मूल उद्देश्य नागरिकों को सरकारी सेवाएं तय समय के भीतर उपलब्ध कराना है. मध्य प्रदेश इस कानून को लागू करने वाले देश के अग्रणी राज्यों में रहा है. वर्तमान में 32 विभागों की 665 से अधिक सेवाएं इस कानून के दायरे में हैं. मूल निवास, आय और जाति प्रमाण पत्र, बिजली-पानी कनेक्शन, विभिन्न प्रकार के लाइसेंस और अन्य आवश्यक सेवाएं लाखों नागरिकों के दैनिक जीवन से जुड़ी हैं. इन सेवाओं में अनावश्यक विलंब न केवल लोगों की परेशानी बढ़ाता है, बल्कि शासन के प्रति विश्वास भी कमजोर करता है.

अब तक व्यवस्था की सबसे बड़ी कमजोरी यह थी कि दरअसल,कार्रवाई तभी होती थी, जब नागरिक स्वयं अपील करता था. ग्रामीण क्षेत्रों, अशिक्षित या जागरूकता की कमी वाले अनेक लोग अपील की प्रक्रिया तक नहीं पहुंच पाते थे. इसका लाभ लापरवाह अधिकारी उठाते थे और कई मामले बिना जवाबदेही के लंबित रह जाते थे. नया संशोधन इस कमी को दूर करता है. अब अपील हो या न हो, हर विलंबित प्रकरण स्वतः समीक्षा के दायरे में आएगा. इससे अधिकारियों पर समय सीमा का पालन करने का स्वाभाविक दबाव बनेगा. हालांकि केवल दंडात्मक प्रावधान ही पर्याप्त नहीं होंगे. सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि अधिकारियों के पास आवश्यक संसाधन, पर्याप्त स्टाफ और आधुनिक तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध हों. कई बार विलंब का कारण व्यक्तिगत लापरवाही नहीं, बल्कि व्यवस्थागत कमियां भी होती हैं. इसलिए जवाबदेही के साथ-साथ प्रशासनिक क्षमता बढ़ाने पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है.

सरकार द्वारा लोक सेवा गारंटी पोर्टल को और अधिक तकनीक-सक्षम बनाने तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग की दिशा में किए जा रहे प्रयास भी स्वागत योग्य हैं. यदि एआई की सहायता से लंबित प्रकरणों की स्वतः पहचान, समीक्षा और निगरानी की व्यवस्था विकसित होती है, तो पारदर्शिता और दक्षता दोनों में उल्लेखनीय सुधार संभव है. इससे वरिष्ठ अधिकारियों को भी वास्तविक समय में स्थिति का आकलन करने में सुविधा मिलेगी.

सुशासन केवल योजनाएं बनाने से नहीं, बल्कि उन्हें समय पर और प्रभावी ढंग से लागू करने से स्थापित होता है. लोक सेवा गारंटी अधिनियम में किया गया यह संशोधन प्रशासन को अधिक उत्तरदायी और नागरिक-केंद्रित बनाने की दिशा में सकारात्मक पहल है. यदि इसका ईमानदारी से क्रियान्वयन हुआ, तो सरकारी कार्यालयों में अनावश्यक देरी, लालफीताशाही और नागरिकों की परेशानियां निश्चित रूप से कम होंगी.जाहिर है यही लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी भी है कि नागरिक को उसका अधिकार समय पर और सम्मानपूर्वक प्राप्त हो.

मोदी के 5एफ विजन | भारतीय वस्त्रों को व्यापार मेला है टेक्स 2026

पवित्रा मार्गेरिटा

> आज जब हम भारत मंडपम के जीवंत प्रदर्शनी हॉलों पर नजर डालते हैं, तो हमारा नजरिया इस व्यापार प्रदर्शनी के तात्कालिक दायरे से कहीं आगे तक विस्तृत होता नजर आता है. यह आयोजन भारत के वस्त्र उद्योग को 350 बिलियन डॉलर के वैश्विक शक्ति केंद्र में बदलने के हमारे विज़न 2030 रोडमैप में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है. मैं आप सभी को भारत टेक्स 2026 में अगले चार दिनों तक हमारे साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित करता हूं, ताकि आप हमारे श्रमिकों की अविश्वसनीय शक्ति, हमारे रचनाकारों के शानदार नवाचारों और वैश्विक वस्त्रों के भविष्य को देख सकें, जिन्हें गर्व से भारत में डिजाइन किया गया है, टिकाऊ तरीके से निर्मित किया गया है और बड़े पैमाने पर एकीकृत किया गया है.

कश्मीरी पश्मीना की नरम गर्माहट से लेकर असम के मूंगा सिल्क की शानदार चमक तक, राजस्थानी बांधनी के जीवंत ज्यामितीय पैटर्न से लेकर कांजीवरम सिल्क की सदाबहार और बेहतरीन बनावट तक, भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता धागों से बुना एक जीता-जागता नक्शा है. आज, सभ्यता की यह बेमिसाल तस्वीर एक ही छत के नीचे एक साथ नजर आ रही है. नई दिल्ली के प्रसिद्ध भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक भारत टेक्स 2026 का आयोजन, हमारे देश की खूबसूरत विविधता को एक ही मंच पर ला रहा है.

वस्त्र उद्योग सिर्फ हमारी विरासत की झलक नहीं है, यह भारत के मक्रो-इकोनॉमिक ढांचे की एक मजबूत नींव भी है. यह क्षेत्र लगातार विकास और समानता का एक बहुत बड़ा इंजन बना हुआ है, जो जीडीपी में 2.3 प्रतिशत, औद्योगिक उत्पादन में 13प्रतिशत और निर्यात में 8.6प्रतिशत का योगदान देता है. कृषि के बाद भारत में सबसे ज़्यादा रोजगार देने वाला यह क्षेत्र 100 मिलियन से ज़्यादा लोगों की आजीविका का साधन है, जो ग्रामीण समुदायों को मजबूत बनाता है और देश भर में लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाता है.

आर्थिक शक्ति के इस केंद्र को सही मायने में समझने के लिए भारत टेक्स का अनुभव करना बेहद जरूरी है. यह वैश्विक स्तर पर प्रमुख भारतीय वस्त्रों का व्यापार मेला है, जिसे पूरी दुनिया के सामने हमारे निर्माण और रचनात्मकता की क्षमता का दबदबा दिखाने के लिए तैयार किया गया है. यह एक ऐसा व्यापक बाज़ार है, जहाँ घरेलू निर्माणकर्ता, राज्यों के पवेलियन, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक और वैश्विक खरीदार एक ही छत के नीचे होते हैं. इससे बड़े पैमाने पर सोर्सिंग, कॉर्पोरेट जुड़ाव और ब्रांड को प्रदर्शित करने के अवसर भी मिलते हैं. इस शानदार पहल के सफ़र पर नज़र डालें तो मुझे भारत टेक्स के पिछले दो आयोजनों से बेहद गर्व की अनुभूति का स्मरण होता है. जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत टेक्स के पिछले संस्करण के दौरान संपूर्ण वस्त्र समुदाय को संबोधित किया था, तो उन्होंने बेहद खूबसूरती से कहा था कि हमने जो बीज बोया था, वह अब तेजी से बरगद के पेड़ का रूप ले रहा है. उन्होंने कहा कि यह भव्य आयोजन न केवल हमारी समृद्ध परंपराओं का जश्न मनाता है, बल्कि एक विकसित भारत की अपार संभावनाओं को भी उजागर करता है. पहले दो आयोजनों की जबरदस्त सफलता ने एक मज़बूत नींव रखी, बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया और सहयोग की दिशा में भी तेजी देखने को मिली.

भारत टेक्स 2025 के दौरान मेरे व्यक्तिगत अनुभव ने भविष्य के लिए एक बहुत ही सकारात्मक नज़रिया हासिल किया, जहाँ मैंने सरकार से सरकार और व्यापार से सरकार के बीच गहन बातचीत को ठोस नतीजों में बदलते देखा और इसी के चलते भारत की कार्य क्षमता में बढ़ते वैश्विक भरोसे की झलक भी दिखी. यह तीसरा आयोजन उस रफ्तार को और आगे ले जाता है और शुरुआती संभावनाओं को पूरी तरह से औद्योगिक प्रभाव में बदलता है.

इस साल के कार्यक्रम का बहुत बड़ा पैमाना एक सोची-समझी औद्योगिक रणनीति को दर्शाता है. भारत मंडपम में खास प्रदर्शनी हॉलों में फैली यह प्रदर्शनी भारत की पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को दिखाती है, जिसमें फाइबर, यार्न, फैब्रिक, कपड़े और फैशन, होम टेक्सटाइल, तकनीकी वस्त्र और सहायक उद्योग शामिल हैं. इसमें 1,600 से ज़्यादा प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं, जो स्थानीय उत्पादन की ताकत को सीधे वैश्विक मंच पर पेश करेंगे. यह प्रधानमंत्री मोदी के क्रांतिकारी 5एफ विजन- फार्म (खेत) से फाइबर से फैक्ट्री से फैशन से फॉरेन (विदेश) तक के सफर को दर्शाता है.

पूरी मूल्य श्रृंखला को एक ही औद्योगिक श्रृंखला में जोड़कर, यह कार्यक्रम विनिर्माण के हर चरण को देश में ही संभालने की भारत की आत्मनिर्भर क्षमता को दिखाता है. इस पहल को दुनिया भर से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली है. इस संस्करण में अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जापान, पुर्तगाल, स्पेन, न्यूज़ीलैंड, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और नेपाल समेत 14 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक शामिल हैं, साथ ही, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ का भी मजबूत संस्थागत प्रतिनिधित्व है.

(लेखक केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री हैं. व्यक्त किए गए विचार लेखक के व्यक्तिगत हैं.)

मालवा- निमाड़ की डायरी

पुलिस को चुनौती देता मादक कारोबार

संजय व्यास

मालवा- निमाड़ अंचल अवैध मादक कारोबार में काफी जकड़ चुका है. हर दिन कहीं न कहीं मादक पदार्थों के पेडलर पकड़े जा रहे हैं. बीते समय में रतलाम, झाबुआ, मंदसौर-नीमच में मादक पदार्थ फैक्ट्रियों का भांडाफोड़ भी हुआ, पर जिस तेजी से इनके तस्कर पकड़ा रहे हैं, पुलिस के समक्ष कड़ी चुनौती पेश कर रहे है.

यहां की पुलिस की निपुणता में उस समय सवालिया निशान लग जाते हैं, जब उनका खुफिया तंत्र नाकाम नजर आता है और राजस्थान- गुजरात की पुलिस यहां आकर मादक पदार्थों का बड़ा जखीरा पकड़ इस अवैध कारोबार का पर्दाफाश कर देती है. अंचल में पुलिस छुटपुट नशीले पदार्थों के साथ तस्करों को पकड़ तो रही है, मगर कारोबारियों की जड़ तक पहुंच सिंडिकेट का सफाया करने में अभी भी हाथ मल रही है. हालांकि पुलिस द्वारा नशा माफियाओं पर शिकंजा कसने के साथ 2029 तक ड्रग नेटवर्क को नेस्तनाबूत करने की बात कही जा रही है.

सिंडिकेट का अपना खुफिया तंत्र!

ड्रग्स के इस अवैध कारोबार में लिप्त सिंडिकेट पर हाथ न डाल पाने में पुलिस की असफलता के पीछे कुछ अपने ही कर्मियों की संदिग्ध भूमिका भी चर्चा में रहती है, जो जानकारी उपर तक पहुंचाने के बजाए दबा जाते हैं. दूसरी ओर सिंडिकेट अपना नेटवर्क मजबूत करता जा रहा है. मंदसौर जिले के गरोठ क्षेत्र में इन दिनों एक ऐसे ही सिंडिकेट की चर्चा जोरों पर है.

चर्चा इस बात की भी है कि यह कोई साधारण गिरोह नहीं बल्कि एक संगठित नेटवर्क है. जिसमें करीब ढाई सौ युवा लडक़ों की पूरी फौज काम कर रही है. इन लोगों ने सिर्फ अवैध गतिविधियों तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए भी अलग से एक खुफिया तंत्र खड़ा कर लिया हैं.

कांग्रेस की कार्यकर्ताओं को कड़ी चेतावनी

विगत दिनों कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता राकेश सिंह यादव ने पार्टी से इस्तीफा देने के पूर्व जिस तरह वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ असहनीय टिप्पणियां की और आरोप लगाए, उससे आहत कांग्रेस नेतृत्व ने कड़ी सख्ती बरतने का फैसला ले लिया है. कांग्रेस कमेटी ने पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों एवं वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ की जा रही बयानबाजी और टिप्पणियों को अब अत्यंत गंभीरता से लिया है. इसे घोर अनुशासनहीनता मानते हुए संगठन ने इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के कड़े निर्देश जारी किए हैं. इस महत्वपूर्ण विषय के संबंध में प्रदेश कांग्रेस के संगठन महामंत्री डॉ संजय कामले की ओर से अंचल के सभी जिला एवं शहर कांग्रेस अध्यक्षों को एक आधिकारिक पत्र भेजा है. प्रदेश कांग्रेस द्वारा जारी इन सख्त निर्देशों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पिछले कुछ समय से लगातार पार्टी के ही कुछ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर पार्टी की नीतियों और नेताओं के विरुद्ध अनर्गल पोस्ट कर रहे हैं. इस प्रकार की अनुशासनहीनता अब किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी. पत्र के माध्यम से सभी जिला एवं शहर अध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने प्रभार क्षेत्र में पार्टी विरोधी पोस्ट करने वाले पदाधिकारियों की तत्काल पहचान करें और उन्हें नोटिस जारी करें. साथ ही चेतावनी दी है कि अब यदि कोई भी पदाधिकारी या सदस्य सोशल मीडिया पर पार्टी की छवि धूमिल करने वाली पोस्ट करता है, तो उसके खिलाफ तुरंत संगठनात्मक स्तर पर कार्रवाई होगी.

सोनम वांगचुक की किसी को परवाह है?

शिक्षाविद व पर्यावरण एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की तबीयत निरंतर बिगड़ती जा रही है. वह जंतर-मंतर, दिल्ली पर पिछले 15 दिनों से अनिश्चित भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं. उनकी प्रमुख मांग है कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपने पद से इस्तीफा दें. क्योंकि प्रवेश परीक्षाओं में अनियमितताओं की शिकायतें आ रही हैं और पेपर लीक हो रहे हैं, जिससे छात्रों व उनके परिवारों का जीवन कठिनाई में आ गया है. हाल के दिनों में 20-22 छात्रों ने आत्महत्या भी की है. दिल्ली में भारी वर्षा जारी है और जंतर-मंतर पर मौसम की मार से बचने के लिए कोई खास व्यवस्था नहीं है, जिसके लिए सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके को पुलिस से मांग करते देखा गया कि मौसम की मार से बचने के लिए उन्हें कुछ व्यवस्था करने की अनुमति दे दी जाए. लेकिन प्रशासन कुछ सुनने के लिए तैयार नहीं है. अगर इस संवेदनहीनता से सोनम वांगचुक को कुछ हो जाता है, जिसकी आशंका प्रबल है, तो स्थिति को नियंत्रित करना कठिन हो जाएगा. खासकर लद्दाख में हालात काफी बिगड़ सकते हैं. इस बीच सीजेपी ने घोषणा की है कि वह 20 जुलाई को संसद मार्च करेगी और उसने छात्रों व पैरेंट्स से इस मार्च में शामिल होने का आग्रह किया है. दिल्ली हाईकोर्ट ने 7 जुलाई को सीजेपी का मूल एक्स हैंडल पुन: स्थापित करने का आदेश दिया है, जिसे मई 2026 में रोक लिया गया था. अभिजीत दीपके ने इस आदेश को अपने आंदोलन, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व डिजिटल अधिकारों के लिए बड़ी जीत बताया है. वैसे अब सीजेपी को अन्य समाज सेवी संगठनों का समर्थन भी मिलने लगा है. मसलन, संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) का एक प्रतिनिधि दल सीजेपी के आंदोलनस्थल पर पहुंचा और उसने सीजेपी की मांगों का समर्थन किया.

सीजेपी का आंदोलन 20 जून से चल रहा है, यह मांग करते हुए कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हो, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को भंग किया जाए. जिन छात्रों ने आत्महत्या की है, उनके परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए और जो लोग परीक्षाओं में अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार हैं उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए.

-डॉ. अनिता राठौर

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

सिर पे बुढ़ापा है, दिल तो जवां है राजनीति में रिटायरमेंट मना है

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, संस्कृत में कहा गया है- तृष्णा न जीर्णा, वयमेव जीर्णा ! उम्र कितनी भी हो जाए तृष्णा समाप्त नहीं होती. नेताओं की कुर्सी की लालसा खत्म होने का नाम ही नहीं लेती. अमेरिका में स्ट्राम थरमांड नामक सीनेट सदस्य 100 वर्ष की आयु तक सदन में बने रहे. उनका कार्यकाल 1948 से लेकर 1990 तक रहा. राबर्ट बायर्ड नामक सदस्य 92 वर्ष की आयु तक सीनेट में मेंबर रहे. पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन ने 83 वर्ष की आयु में पद छोड़ा. प्रेसिडेंट ट्रंप भी 80 वर्ष के हैं और ईरान से लड़ाई का जज्बा रखते हैं. 92 वर्ष के सीनेट सदस्य चक ग्रासली 92 साल के हैं और द्वितीय विश्व युद्ध के किस्से सुनाते हैं.'

हमने कहा, 'आप विदेश की बजाय स्वदेश पर ध्यान दीजिए. हमारे यहां भी बुजुर्ग नेताओं की कमी नहीं है. पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई 99 वर्ष जिंदा रहे. पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी 98 वर्ष के हैं. डॉ. मुरलीमनोहर जोशी की आयु 92 वर्ष है. जम्मू-कश्मीर के पूर्व सदर-ए-रियासत और कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य डॉ. कर्णसिंह भी इतनी ही आयु के हैं. पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा 90 वर्ष के हैं. चौधरी देवीलाल भी 90 साल जिंदा रहे. राजनीतिक सक्रियता नेताओं के लिए अमृततुल्य चाय के घूंट के समान रहती है. जिसका दिल राजनीति की उखाड़-पछाड़ में लगा हो, वह कैसे रिटायर होगा. 85 साल के शरद पवार को भी राजनीति से प्यार है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, जब राजा दशरथ ने शीशे में देखा कि उनकी कनपटी का एक बाल सफेद हो गया तो उन्होंने हेयर कलर करवाने की बजाय वालंटरी रिटायरमेंट का निर्णय ले लिया और अपने ज्येष्ठ पुत्र राम के राज्याभिषेक की घोषणा कर दी.'

हमने कहा, 'अब तो सिर के बाल, दाढ़ी-मूंछ, भौंहें सफेद हो जाने के बाद भी महान नेता पद से चिपके रहते हैं. विपक्ष को समाप्त कर एकाधिकार वाली हुकूमत का लक्ष्य रखते हैं. उनके संकेत पर विपक्षी पार्टियां तोड़ी जाती हैं, सांसदों-विधायकों को खरीदा जाता है. असहमति को कुचला जाता है. किसी उद्योगपति मित्र को एयरपोर्ट और बंदरगाह दे दिए जाते हैं.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, पहले भी तो बुजुर्गों की राजनीति में सक्रियता रहती थी. महाभारत में भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य, भगदत्त जैसे वयोवृद्ध थे. रावण का मंत्री उसका नाना माल्यवंत था. यह मत भूलिए कि बुजुर्गों के पास अनुभव की बहुमूल्य पूंजी होती है. युवाओं का जोश और बुजुर्गों का होश मिलकर राजनीति को कामयाब बना सकते हैं.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12318 - डॉ. सागर खादीवाला

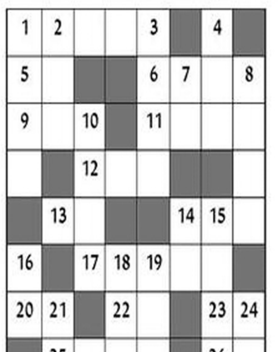

बाएं से दाएं
1. कुएं का मेंढक, बाहरी जगत का कुछ भी ज्ञान न रखनेवाला 5. स्थिर दृष्टि, बिना पलक झपकाए एक ही ओर देखना 6. बहुत बड़ा राजा, गुरु ब्राम्हण आदि के लिए आदरसूचक शब्द 9. पक्षी 11. जोर वाला, बलवान 12. बंदर, भालू आदि का तमाशा दिखाने वाला बाजीगर 13. जिसका भीतरी भाग खाली हो, खोखला 14. दोगला, भिन्न-भिन्न वर्णों के माता-पिता से उत्पन्न 17. पुराणानुसार एक समुद्र जो दूध का माना जाता है 20. मिट्टी-पत्थर आदि का उभरा हुआ भूभाग, छोटी पहाड़ी 22. जो कानून के अनुसार हो 23. मस्तक, सिर का ऊपरी और सामने वाला भाग 25. जहाज 26. अरुणता, ललाई

ऊपर से नीचे
1. व्यक्तियों या देशों के आपसी व्यवहार दांव-पेंच की नीति या चाल 2. पकड़ने की क्रिया, पकड़ने का ढंग 3. दुर्बलता, अशक्तता 4. विचार, संकल्प (उर्दू) 7. माला, पराजय 8. धनी, मालदार 10. कमल जैसे सुंदर नयनो वाली स्त्री 14. साथ, पत्थर, सहित 15. माला के अभाव में उंगलियों के पोरों से जाप की गिनती करना 16. तख्ती, चटाई, रीति, शैली 18. चलन, चालचलन, ढंग 19. उपकरण, कोई वस्तु तैयार करने की सामग्री, उपाय, युक्ति 21. लज्जा, शर्म, हया 24. भोजन का छिछला बर्तन

Solution 12317

ज	ल	प्र	पा	त		प	ल
ग	ट	क	ना		भ	ती	जा
म		ट		च		ला	ना
ग	ल	ना		रि	पु		
	ड़		प	त्र	का	रि	ता
ल	ख	ल	खा		र	क्त	प
स	ड़ा		र	ट	ना		मा
	ना	ट	ना			दा	न

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा के क्षेत्र में अरूचि व व्यवधान होगा. अधिकारियों के कोप का सामना करना पडेगा. मित्रों से बैचारिक मतभेद रहेगा. वर्ष के मध्य में प्रियजनों के सहयोग से कार्यो में सफलता मिलेगी. शासन सत्ता का लाभ मिलेगा. नवीनयोजनाओं में पूँजी निवेश होगा. वर्ष के अन्त में विवादों का समाधान होगा, स्थिति सामान्य होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शासन से लाभ होगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को सत्ता का सुख रहेगा. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को प्रियजनों का सहयोग सुख रहेगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को जमीन जायजाद से लाभ होगा. सिंह राशि के व्यक्तियों की शिक्षा में रूचि रहेगी. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को नवीन योजनाओं में पूँजी निवेश होगा. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को अधिकारी के कोप का सामना करना पडेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य और गौरवर्ण होगा. दुबला पतला फुर्तीला, होगा. अपने मन की बात दूसरों पर जल्दी प्रकट नहीं करेगा. बुद्धिमान और विवेकी होगा. माता पिता का भक्त होगा. इनके मित्रों की संख्या अधिक रहेगी. अपने मन की बात दूसरों को व्यक्त नहीं करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

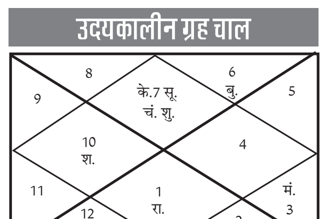

पंचांग

रा.मि. 23 संवत् 2083 आषाढ कृष्ण अमावस्या भौमवासरे दिन 3/36, पुनर्वसु नक्षत्रे रात 1/51, व्याघात योगे दिन 1/40, नाग करणे सू.उ. 5/16, सू.अ. 6/44, चन्द्रचार मिथुन रात 8/14 से कर्क, पर्व- स्नानदान श्राद्ध अमावस्या, शु.रा. 3, 5, 6, 9, 10, 1 अ.रा. 4, 7, 8, 11, 12, 2 शुभांक- 5, 7, 1.

व्यापार भविष्य

आषाढ कृष्ण अमावस्या को पुनर्वसु नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीतल, लोहा, निकल, आदि वस्तुओं में नरमी की चाल चलेगी. सरसों, अरंडी, अलसी, मूँग, मोठ, के भाव में तेजी होगी. जीरा, धनियां, लालमिर्च पूर्ववत रहेंगे. भाग्यांक 1487 है.

मेष- अनुभवी लोगों का साथ लाभकारी रहेगा, प्रापर्टी संबंधी कार्य बनेंगे, राजकीय क्षेत्र में सफलता प्राप्त हागी, पारिवारिक मतभेदों से बचें. समय पर लाभ प्राप्त होगा.

वृषभ- निर्धारित कार्यक्रम में बदलाव से परेशानी होगी, साझेदारी से लाभ होगा, धार्मिक एवं आर्थिक कार्य बनेगा, मन में शांति और संतोष का अनुभव होगा.

मिथुन- अटकी तरक्की मिलने का योग है, खोई हुई प्रतिष्ठा हासल करने में सफल होंगे, जमीन जायजाद के कार्यो में सफलता मिलेगी, निजी पुरूषार्थ बना रहेगा.

कर्क- रूकी योजनाओं पर खर्च की संभावना है, दौड़धूप करके निजी कार्य करवा लेंगे, व्यापार व्यवसाय को बढ़ाने का प्रयास करें, मांगलिक कार्यों पर विचार होगा.

सिंह- अधिकारियों के मेलजोल का लाभ मिलेगा, कारोबारी यात्रा सफल रहेगी, किसी कार्य में परिश्रम अधिक करना होगा, मानसिक रूप से सुख और संतोष का अनुभव होगा.

कन्या- समय पर कार्य पूरा न होने पर निराशा होगी, भाग्य के भरोसे अवसर गवां देंगे, पारिवारिक मतभेद रहेगा, यथेष्ठ सावधानी रखकर कार्य करें, संयम रखें.

तुला- मित्र मण्डली के सहयोग से काम में आसानी होगी, अपनों का व्यवहार दुखी करेगा. वाहन चलाते समय यथेष्ठ सतर्कता वांछनीय. यश प्रतिष्ठा बनी रहेगी.

वृश्चिक- विवादित मामले आपकी पहल से हल हो सकते हैं, अनुभवी लोगों से लाभ होगा, पराक्रम में वृद्धि होगी, मान सम्मान प्राप्त होगा, पुरानी समस्या हल होगी.

धनु- व्यापारिक लेनदेन के पुराने मामले सुलझने से मन में संतोष रहेगा, कौटृम्बिक मामलों में सावधानी रखें, संतान की चिंता रह सकती हैं, कम लाभ में भी संतोष रहेगा.

मकर- भाग्योदय के अवसर मिलेंगे, सहयोगियों से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, मन में संतोष रहेगा, परिश्रम की अधिकता रहेगी, मान सम्मान प्राप्त होगा.

कुम्भ- कार्यस्थल पर अपमान का भय है, तनाव की स्थिति में फैसला नहीं ले पायेंगे. राजकीय क्षेत्र में यश और प्रतिष्ठा बढ़ेगी. अच्छे अवसरों का लाभ मिलेगा.

मीन- जोखिम के कार्यो से दूर रहें, व्यापारिक साझेदारी लाभदायी हो सकती है, अतिथि आगमन होगा, अनसोचे कार्यों में व्यस्तता रहेगी, झूठ आरोपों से बचें.

SUDOKU 7450

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7449

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8